सत्येन्द्र नाथ बोस के महान कार्य के 100 वर्ष

हाल ही में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और प्रशासक **सत्येन्द्र नाथ बोस (S.N. Bose)** के चार क्रांतिकारी प्रकाशनों में से अंतिम की 100वीं वर्षगाँठ मनाने के लिये **कोलकाता में S.N. बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज (SNBNCBS)** में एकत्र हुए। इन प्रकाशनों में से अंतिम, जिसने नए क्वांटम यांत्रिकी को जन्म दिया (**अन्य 1900 में प्लैंक, 1905 में आइंस्टीन और 1913 में नील्स बोहर के थे**), ने वर्षों के दौरान क्वांटम यांत्रिकी के विकास का पता लगाया। ।

- SNBNCBS, **SN बोस** के जीवन और कार्य का सम्मान करने के लिये 1986 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग **(DoST)** के तहत स्थापित एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है।
  - **क्वांटम सांख्यिकी** पर SN बोस के अग्रणी कार्यों ने **बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट्स**, **क्वांटम सुपरकंडक्टिविटी और क्वांटम सूचना सिद्धांत** सहित आधुनिक **क्वांटम प्रौद्योगिकियों** के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।
  - **ब्रह्मांड** में आधे मूलभूत कणों का नाम उनके नाम पर बोसॉन रखा गया है।
- इस सम्मेलन में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि **23 देशों ने** राष्ट्रीय क्वांटम मिशन स्थापित किये हैं और भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, विशेष रूप से **क्वांटम एल्गोरिदम** के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

//

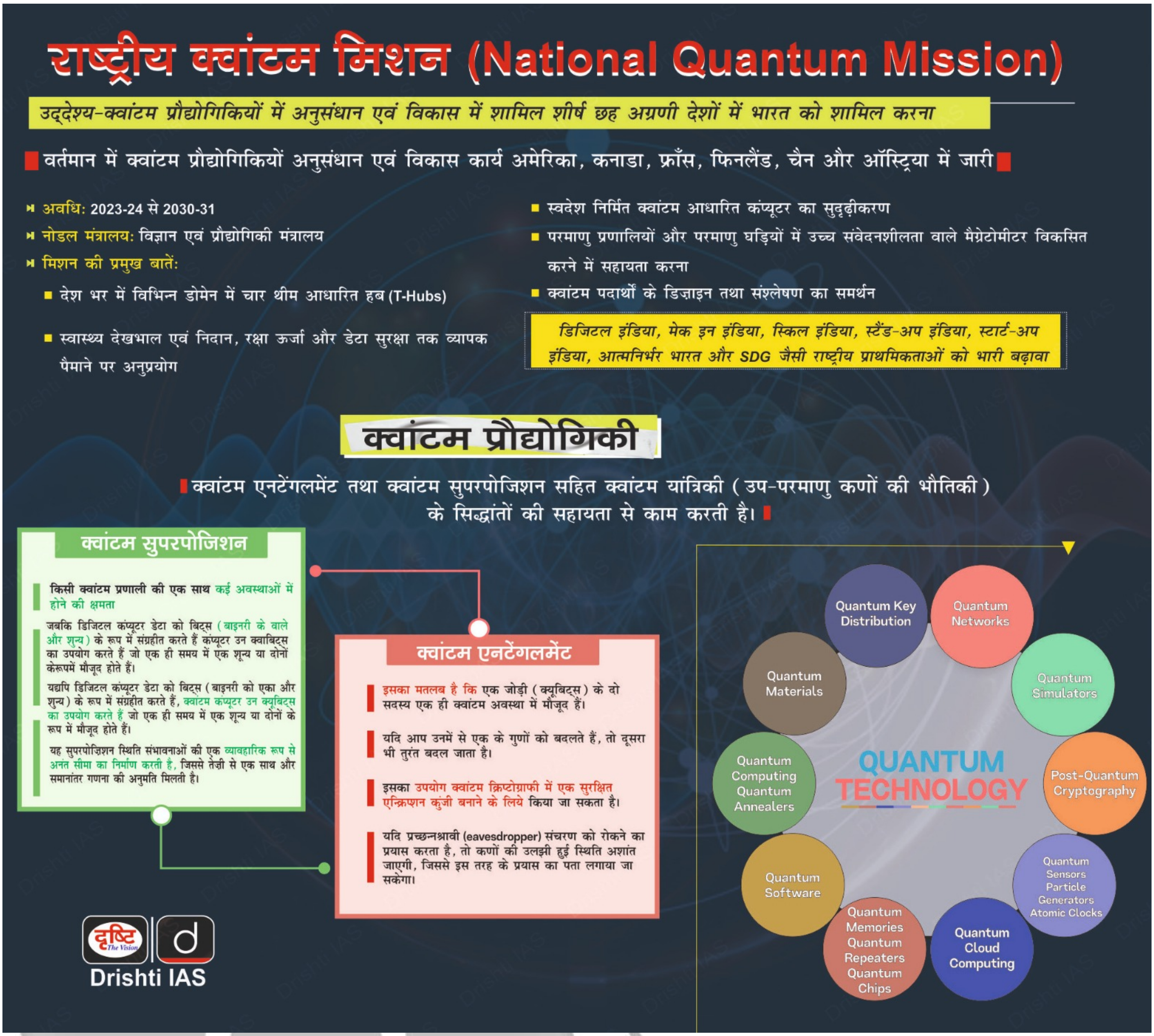

और पढ़ें: [राष्ट्रीय क्वांटम मशिन]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/100-years-of-s-n-bose-s-colossal-work